

Country	Not at all	Somewhat	Very much
Germany	10%	40%	50%
France	10%	40%	50%
United Kingdom	10%	40%	50%

कठमोरवा में मिशन शक्तिअभियान के तहत महिलाओं को किया जागरूक, साइबर अपराध व नए कानूनों की दी जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह के खेसरहा। मिशन शक्ति मार्गदर्शन तथा थानाध्यक्ष अनूप अभियान फेज 5.0 के द्वितीय कुमार मिश्र के नेतृत्व में आयोजित



चरण के तहत रविवार को थाना खेसरहा पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम कठमोरवा में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान महिलाओं और बालिकाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन, साइबर अपराध से बचाव, नए कानूनों तथा एंटी रोमियो और शक्ति दीदी अभियान की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें जागरूकता संबंधी पंपलेट भी वितरित किए गए।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण,

गैंगटा में एक साल से अधूरा पड़ा आंगनबाड़ी भवन, बच्चों और महिलाओं को नहीं मिल रही सुविधाएं

दैनिक बुद्ध का संदेश खेसरहा। विकासखंड खेसरहा की ग्राम पंचायत गैंगटा में



निर्माणधीन आंगनबाड़ी केंद्र का भवन लगभग एक वर्ष से अधूरा पड़ा है। भवन की दीवारें, छत और प्लस्टर का कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन फर्श, दरवाजे-खिड़कियां और रंगारंग-पुताई का काम अब तक पूरा नहीं हो सका है। निर्माण कार्य ठप होने के कारण भवन का उपयोग शुरू नहीं हो पाया है, जिससे गांव के बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को आंगनबाड़ी सेवाओं का पूरा लाभ नहीं मिल रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि भवन निर्माण शुरू होने पर आधुनिक और बेहतर सुविधाओं की उम्मीद जगी थी, लेकिन लंबे समय से कार्य बंद होने से उनकी उम्मीदें अधूरी रह गई हैं। ग्रामीण तनुज यादव ने बताया कि भवन का निर्माण काफी पहले शुरू हुआ था, लेकिन पिछले कई महीनों से कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि समय रहते निर्माण पूरा नहीं हुआ तो सरकारी धन का भी नुकसान हो सकता है।ग्रामीण अजय साहनी ने बताया कि गांव के लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर दिलाया, लेकिन निर्माण कार्य दोबारा शुरू नहीं कराया गया। उन्होंने मांग की कि शेष कार्य जल्द पूरा कर भवन को उपयोग के लिए तैयार किया जाए।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि अधूरे पड़े आंगनबाड़ी भवन का निर्माण शीघ्र पूरा कराया जाए। उनका कहना है कि भवन तैयार होने से गांव के बच्चों को बेहतर प्रारंभिक शिक्षा, पोषण सेवाएं और गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ मिल सकेगा।

मदरसे के सामने गंदगी का अंबार, नाली बंद कर पटरी पर सज रही दुकानें

दैनिक बुद्ध का संदेश मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के खुनियांव



ब्लॉक अन्तर्गत मधवापुर कला चौराहे पर सफाई व्यवस्था बदहाल। चौराहे के पास स्थित मदरसे के सामने गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे आसपास के लोगों के साथ-साथ वहां पढ़ने वाले बच्चों को भी बीमारी का खतरा बना हुआ है।स्थानीय लोगों का कहना है कि लंबे समय से मदरसे के सामने कूड़ा-कचरा जमा होने के कारण दुर्गंध और गंदगी का माहौल बना हुआ है। इससे बच्चों और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।वहीं दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग की ओर से सड़क किनारे बनाई गई नाली को कुछ ग्रामीणों द्वारा बंद कर दिए जाने और सड़क की पटरी पर दुकानें लगाने से जल निकासी की समस्या भी उत्पन्न हो रही है। इससे सड़क किनारे अतिक्रमण बढ़ने के साथ ही राहगीरों और वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है।चौराहे के कुछ दुकानदारों का कहना है कि जब तक प्रशासन और संबंधित विभाग इस मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे, तब तक सड़क किनारे गंदगी और अतिक्रमण की समस्या बनी रहेगी।स्थानीय लोगों में कमलेश कुमार, इसरार अहमद, निजाम शेख,सुरेश शर्मा, महफुजुद्दीहसन, रामानंद तिवारी, रुस्तम, सादाब आलम, कुतबुल्लाह चौधरी, राकेश कुमार आदि ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मदरसे के सामने जमा गंदगी की तत्काल सफाई कराने, नाली को अतिक्रमण से मुक्त कराने तथा सड़क की पटरी पर किए गए अवैध कब्जे को हटाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होने से बच्चों, राहगीरों और दुकानदारों को काफी राहत मिलेगी।

हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और स्वास्थ्य सेवा 102 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें किसी भी समस्या या अपराध की जानकारी बिना संकोच पुलिस तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस

अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों और कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।इस अभियान में उपनिरीक्षक चंद्रिका प्रसाद मौर्य, आरक्षी अरुण कुमार पाण्डेय, महिला आरक्षी अंजली यादव तथा महिला आरक्षी संगीता देवी ने सक्रिय भूमिका निभाई। पुलिस ने महिलाओं से अपील की कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और पुलिस का सहयोग लें।

नेपाल में हथियार सप्लाई की साजिश नाकाम, खेसरहा पुलिस ने दो अंतरराज्यीय असलहा तस्करों को दबोचा



दैनिक बुद्ध का संदेश खेसरहा। खेसरहा पुलिस को अंतरराज्यीय अवैध असलहा तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। थाना खेसरहा पुलिस और एंटी थेट टीम की संयुक्त कार्रवाई में नेपाल ले जाकर अवैध हथियार बेचने की तैयारी कर रहे दो शातिर तस्करों को गिरतार किया गया। आरोपितों के कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे, सात कारतूस, एक धारदार बाकी, ६28 हजार की नकदी, दो मोबाइल फोन और एक स्कूटी बरामद की गई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर

शिवनगर डिडई क्षेत्र मेंमिशन शक्ति की चौपाल, बहू-बेटी सम्मेलन मेंमहिलाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश खेसरहा। मिशन शक्ति फेज-5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के तहत थाना शिवनगर डिडई पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने थाना क्षेत्र के ग्राम गौरगढ में बहू-बेटी सम्मेलन एवं साइबर जागरूकता चौपाल का आयोजन किया।

चौपाल में बड़ी संख्या में महिलाओं और बालिकाओं ने भाग लिया। इस दौरान उन्हें महिला सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, आत्मरक्षा, महिला अधिकारों और शासन द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी दी गई।कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेंदु सिंह और थानाध्यक्ष बुजेश सिंह के नेतृत्व में आयोजित किया गया। मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं को बताया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, साइबर ठगी या अन्य अपराध की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करें और उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें।चौपाल के दौरान पुलिस कमि्यों ने मिशन शक्ति 5.0 अभियान के स्टीकर भी लगाए और उपस्थित महिलाओं से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि फिलहाल उन्हें किसी प्रकार की समस्या नहीं है। टीम ने 1090 वूमन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 108 एंबुलेंस, 101 अग्निशमन सेवा, 14567 एल्वर हेल्पलाइन तथा 1930 साइबर हेल्पलाइन सहित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं की जानकारी भी साझा की।अभियान के दौरान ऑपरेशन मजनु के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सन्दिध्य रूप से घूम रहे पांच मनचलों को पकड़कर उनसे माफीनामा भरवाया गया। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर एक वाहन का चालान कर चालक को भविष्य में नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया गया।कार्यक्रम में उपनिरीक्षक मृत्युंजय मिश्रा, कांस्टेबल प्रमोद यादव, महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे एवं महिला आरक्षी शिवानी मौजूद रहीं। पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं और बालिकाओं से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

भोजन व्यवस्था भी प्रभावित होने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हैंडपंप कई



दिनों से खराब है, लेकिन अब तक उसकी मरम्मत नहीं कराई गई।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्रौपदी सिंह ने बताया कि हैंडपंप खराब होने की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है।

अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर हैंडपंप की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि छात्र-छात्राओं को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके और शिक्षण कार्य बिना किसी बाधा के जारी रह सके।



उनकी पहचान मनीष कुमार माझी (29) पुत्र स्व. पन्नालाल माझी तथा नीरज माझी (30) पुत्र लटई माझी, निवासी पौसरा उपरहार, थाना गोसाईगंज, जनपद अयोध्या के रूप में हुई।तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से दो अवैध देशी तमंचे (32 बोर), पांच कारतूस (32 बोर), दो कारतूस (315 बोर), एक तेजधार बाकी, अवैध हथियारों की बिक्री से प्राप्त ६28 हजार नकद, वीवो व ओप्पो कंपनी के दो मोबाइल फोन तथा स्कूटी (यूपी-42 बीक्यू-1281) बरामद हुई।पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी नेपाल में अवैध

सचिव बदलने के आदेश के बाद भी पुराने सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर से हुआ भुगतान, ठे सवाल

दैनिक बुद्ध का संदेश शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।जिला पंचायत राज अधिकारी, सिद्धार्थनगर द्वारा 17 जुलाई 2026 को जारी आदेश के तहत ग्राम पंचायतों के क्लस्टर में परिवर्तन करते हुए ग्राम पंचायत सेमरा का कार्यभार दूसरे सचिव को सौंप दिया गया था। इसके बावजूद उपलब्ध ई-ग्रामस्वराज मेरी पंचायत पोर्टल के अभिलेखों के अनुसार 22 जुलाई 2026 को ग्राम पंचायत सेमरा से

कई भुगतान किए गए।अभिलेखों के मुताबिक 45,530 रुपये का भुगतान आर.के. ट्रेडर्स को फ़सफ़ाई कर्मी किटप् के नाम पर किया गया, जबकि 5,544 रुपये का गोशाला मानदेय भी जारी किया गया। भुगतान विवरण में प्सचिवरु गौरव श्रीवास्तव द्वारा डिजिटल हस्ताक्षरित ऑफ़िट दिखाई देता है।ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब 17 जुलाई के आदेश के अनुसार ग्राम पंचायत का प्रभाव बदल चुका था, तो 22 जुलाई को पुराने सचिव के डिजिटल हस्ताक्षर (डीएससी) से भुगतान कैसे किया गया। यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि नए सचिव ने कार्यभार कब ग्रहण किया और भुगतान किसके अधिकार में संपन्न हुआ।अब यह मामला जांच का विषय बन गया है कि क्या पुराने सचिव के डीएससी का उपयोग नियमानुसार किया गया, क्या भुगतान प्रक्रिया शासन के निर्धारित नियमों के अनुरूप हुई तथा क्या कार्यभार हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी। यदि उपलब्ध दस्तावेज सही हैं, तो संबंधित विभाग द्वारा निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।नोटरु यह समाचार उपलब्ध प्रशासनिक आदेश एवं ई-ग्रामस्वराज/मेरी पंचायत पोर्टल पर उपलब्ध अभिलेखों के आधार पर तैयार किया गया है। संबंधित अधिकारियों का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

अवैध यूरिया परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, ई-रिव्शा चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। जिले में अनुदानित यूरिया के अवैध परिसंचरण और परिवहन के खिलाफ .पि विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने 25 जुलाई 2026 को दोपहर करीब



एक बजे थाना मोहाना क्षेत्र के कूड़ा नदी स्थित मोहाना पुल के पास 12 बोरी भारतीय अनुदानित यूरिया ले जा रहे एक ई-रिव्शा को पकड़ा।पकड़े गए ई-रिव्शा चालक की पहचान सुकई (23) पुत्र धर्मराज, निवासी पतिला, पोस्ट ककरहवा, थाना मोहाना के रूप में हुई। वाहन की जांच के दौरान उसमें 12 बोरी अनुदानित यूरिया बरामद हुई। चालक से उर्वरक के संबंध में वैध दस्तावेज, प्राप्ति रसीद, पीओएस मशीन की पची, ई-वे बिल अथवा बिल्टी मांगी गई, लेकिन वह कोई वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद संयुक्त टीम ने बरामद 12 बोरी यूरिया और ई-रिव्शा को चालक सहित थाना मोहाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जिला .पि अधिकारी रवि शंकर पाण्डेय के स्तर से आरोपी चालक सुकई के खिलाफ भारतीय अनुदानित यूरिया के अवैध परिसंचरण के आरोप में आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है।कार्रवाई करने वाली संयुक्त टीम में सहायक विकास अधिकारी (.पि), बर्दपुर, अपर जिला .पि अधिकारी, जिला .पि अधिकारी सिद्धार्थनगर तथा थाना मोहाना के कांस्टेबल मनीष सिंह सहित पुलिस बल शामिल रहा।

शोहरतगढ़ पुलिस ने बहू-बेटी सम्मेलन में 35 महिलाओं व बालिकाओं को किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति फेज-5.0 के अंतर्गत रविवार को शोहरतगढ़ पुलिस द्वारा बहू-बेटी एवं जनचौपाल सम्मेलन का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, यातायात नियमों और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के इटवा भाट में आयोजित कार्यक्रम में 35 महिलाओं एवं बालिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो अधिनियम, महिला संबंधी अपराधों, साइबर ठगी तथा आत्मरक्षा के उपायों की जानकारी दी। साथ ही महिला संबंधी मामलों में पीडिताओं की काउंसलिंग भी की गई। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर वे थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्र के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090 (वूमन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस हेल्पलाइन), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 108 (एम्बुलेंस), 101 (अग्निशमन), 14567 (एल्वर हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) की जानकारी दी गई। साथ ही नए आपराधिक कानूनों एवं यातायात नियमों के संबंध में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल उर्मिला देवी, शोभा भारती एवं रूबी दुबे सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डुमरियागंज में नीट क्वालीफायर 15 मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में नीट यूजी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 15 मेधावी छात्र-छात्राओं को साजिदा हॉस्पिटल



की ओर से आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रफीउल्लाह खान के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और नायब तहसीलदार भी मौजूद रहे।कार्यक्रम में नीट क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस दौरान डॉ. रफीउल्लाह खान ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों से साजिदा हॉस्पिटल की ओर से लगातार नीट में सफल होने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जा रहा है और अब तक सैकड़ों मेधावियों का उत्साहवर्धन किया जा चुका है।सम्मानित विद्यार्थियों ने इस पहल के लिए डॉ. रफीउल्लाह खान और साजिदा हॉस्पिटल की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को देते हुए कहा कि ऐसे सम्मान से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।कार्यक्रम के अंत में डॉ. रफीउल्लाह खान ने कहा कि मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की यह पहल भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी, ताकि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाया जा सके।

माटीकला जागरूकता कार्यक्रम में स्वरोजगार पर जोर, छह लाभार्थी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड के तत्वावधान में विपणन विकास सहायता एवं प्रचार-प्रसार योजना के अंतर्गत माटीकला उत्पादों के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा माटीकला उद्यमियों को नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों से परिचित कराने के उद्देश्य से माटीकला जागरूकता कार्यक्रम (माटीकला बोर्ड स्थापना पखवाड़ा) का आयोजन रविवार को अंबेडकर सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने की। इस अवसर पर बांसी विधायक जय प्रताप सिंह, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं माटीकला उद्यमी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य

विकास अधिकारी बलराम सिंह ने सांसद एवं दोनों विधायकों

इस पारंपरिक कला को नया जीवन देने का कार्य किया है।

उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर में

उपलब्ध कराना, प्रशिक्षण देना तथा ग्रामोद्योग विभाग के माध्यम

से ऋण उपलब्ध कराकर उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता है। आधुनिक मशीनों के उपयोग से अब बेहतर गुणवत्ता के मिट्टी के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जिनकी बाजार में अच्छी मांग है।कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही ने



का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत करते हुए किया। इसके बाद माटीकला बोर्ड की विभिन्न योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं स्वरोजगार से जुड़े अवसरों की जानकारी उद्यमियों को दी गई।अपने संबोधन में सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि मिट्टी के बर्तनों और हस्तशिल्प की परंपरा समय के साथ समाप्त होने की कगार पर पहुंच गई थी, लेकिन प्रदेश सरकार ने माटीकला बोर्ड के गठन और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से

उन्होंने कहा कि आज मिट्टी से बने उत्पादों की मांग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी बढ़ रही है। सरकार कारीगरों को टूलकिट, प्रशिक्षण और स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध करा रही है, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।उन्होंने प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा कि गणेश चतुर्थी जैसे पर्वों पर देश की मिट्टी से बनी प्रतिमाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। इससे स्थानीय कारीगरों को रोजगार मिलेगा और स्वदेशी

कालानमक चावल की तरह माटीकला भी रोजगार का मजबूत माध्यम बन सकती है।विधायक जय प्रताप सिंह ने कहा कि माटीकला बोर्ड के गठन के बाद कुम्हार समाज के लोगों को नई पहचान और आर्थिक मजबूती मिली है। पहले प्लास्टिक के बर्तों उपयोग से मिट्टी के बर्तनों का चलन कम हो गया था, लेकिन अब सरकार के प्रयासों से कुल्हड़, दीये और अन्य मिट्टी के उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कुम्हारों को मिट्टी

कहा कि माटीकला केवल एक पारंपरिक कला नहीं बल्कि हजारों परिवारों की आजीविका का माध्यम है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर कारीगर अपनी कला को नए स्तर तक पहुंचा रहे हैं। बैंकों से ऋण और सरकारी सहायता मिलने से कुम्हार समाज के लोगों में आत्मविश्वास बढ़ा है और वे स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं।कार्यक्रम के दौरान सांसद जगदंबिका पाल, विधायक जय प्रताप सिंह, विधायक

श्यामधनी राही, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने माटीकला बोर्ड के छह लाभार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया गया।अंत में मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गंगाधर दुबे, संबंधित विभागों के अधिकारी, माटीकला उद्यमी तथा बड़ी संख्या में कारीगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माटीकला को बढ़ावा देने, कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने तथा स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

बाबा मोतीनाथ मंदिर में सावन की तैयारियों पर शिव कमेटी की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश
मिश्रौलिया, सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील क्षेत्र के चेतिया बाजार



स्थित बाबा मोतीनाथ महादेव मंदिर परिसर में आगामी श्रावण मास की तैयारियों को लेकर रविवार को शिव कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंदिर परिसर की साफ-सफाई, पूजा-अर्चना, जलाभिषेक, श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।कमेटी के सदस्यों ने सावन माह को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं भक्तिमय वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प लिया। साथ ही श्रद्धालुओं से अपील की गई कि वे सावन माह में बाबा मोतीनाथ महादेव का जलाभिषेक एवं दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त करें तथा मंदिर परिसर की स्वच्छता और अनुशासन बनाए रखने में सहयोग दें।बैठक में हरीश चौरसिया, संजय चौरसिया, राकेश गुप्ता, राजन, पवन गुप्ता सहित 25 से अधिक कमेटी सदस्य उपस्थित रहे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेतिया बाजार में लगा मुख्यमंत्री आरोग्य मेला, सैकड़ों मरीजों ने लिया लाभ

दैनिक बुद्ध का संदेश
मिश्रौलिया / सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील अन्तर्गत स्थित



प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चेतिया बाजार में आज दिनांक 26 जुलाई 2026 दिन रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य जांच कराई और दवाएं प्राप्त कीं।मेले के दौरान फार्मासिस्ट पंकज शुक्ला, वार्ड बॉय प्रदीप श्रीवास्तव, विनोद चौकीदार, ण मुरारी एसएलए, प्रशांत कुमार एलटी, अर्चना स्टाफ नर्स, कश्मीरा रावत, एएनएम सहित स्वास्थ्य विभाग का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा।स्वास्थ्य कर्मियों ने मरीजों का बीपी, शुगर, वायरल फीवर, बरसाती मौसम की खजुराहट, वजन आदि की जांच की और आवश्यक दवाएं वितरित कीं। मेले में आये लोगों को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई।स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को उनके घर के पास ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है।

सेमराहना में सामूहिक रूप से सुना गया

प्रधानमंत्री का श्मन की बातश् कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश
बांसी, सिद्धार्थनगर।रविवार को सेमराहना (डिडई) स्थित जिला



पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि उपेंद्र प्रताप सिंह के आवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम श्मन की बातश् का सामूहिक श्रवण किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं, युवा एवं वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए।प्रधानमंत्री के संबोधन को उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना। इस दौरान राष्ट्र निर्माण, सामाजिक जागरूकता एवं जनभागीदारी जैसे विषयों की भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में लोगों की अच्छी सहभागिता देखने को मिली।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष सरवन चौधरी, मिठवल मंडल अध्यक्ष शिवप्रसाद चौधरी, पूर्व जिला मंत्री मनमोहन पांडेय, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष निरधारी लाल सैनी, मंडल उपाध्यक्ष शिवम चौधरी, सेक्टर संयोजक सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

बूढ़ी राप्ती किनारे दिखा मगरमच्छ लोगों में भय का माहौल



तो तुरंत वन विभाग को सूचना दें। विभाग की टीम लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके।

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने सांसद जगदंबिका पाल को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ, सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा एवं जिला महामंत्री अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रविवार को प्रांतीय आह्वान पर शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल को टेट अनिवार्यता कानून के विरोध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टेट अनिवार्यता से मुक्त रखने की मांग की गई।शिक्षक संघ ने ज्ञापन में कहा कि आरटीई लागू होने से पहले तत्कालीन

नियमों एवं निर्धारित अर्हताओं के आधार पर नियुक्त शिक्षकों पर बाद में लागू किए गए टेट जैसे प्रावधानों को लागू करना न्यायोचित नहीं है। संगठन का कहना है कि नियुक्ति के समय जो नियम प्रभावी थे, उन्हीं के आधार पर शिक्षकों की सेवा का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।जिलाध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षकों को नए कानून के दायरे में लाना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने सरकार से संवैधानिक एवं विधायी स्तर पर



इस व्यवस्था की समीक्षा कर आवश्यक संशोधन करने की मांग की।जिला महामंत्री अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि 1 सितंबर 2025 को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षकों में भय और

असमंजस का माहौल है। उन्होंने सरकार से इस मुद्दे का शीघ्र एवं न्यायसंगत समाधान निकालने की अपील की। बस्ती मंडल महामंत्री अमय प्रताप सिंह ने कहा कि यदि सरकार ने इस विषय पर सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया तो लाखों शिक्षक परिवार प्रभावित होंगे।सांसद जगदंबिका पाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्स्त किया कि वह इस गंभीर विषय को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के सम्मक्ष प्रमुखता से उठाएंगे तथा शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए हरसंभव प्रयास

करेंगे।यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के मंडल अध्यक्ष हरिमोहन सिंह श्रीनेत ने कहा कि 20 से 25 वर्षों से समर्पण और अनुभव के साथ शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षकों पर नई अनिवार्यताएं लागू करना उचित नहीं है। वहीं यूटा के जिलाध्यक्ष अमय कुमार पांडेय ने कहा कि नियुक्ति के समय अस्तित्व में नहीं रहे प्रावधानों को वर्षों बाद लागू करना शिक्षकों के सम्मान और स्वाभिमान को प्रभावित करता है।यूटा के जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी ने केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री से इस विषय का स्थायी एवं न्यायपूर्ण समाधान निकालने के लिए आवश्यक विधायी पहल

करने की मांग की, ताकि शिक्षकों का सम्मान, मनोबल और शिक्षा व्यवस्था की गरिमा बनी रहे।इस अवसर पर अतीउल्लाह, वीरेंद्र बहादुर तिवारी, विनोद बजाज, संजीव यादव, इमामुद्दीन, वेद प्रकाश, दिनेश चौधरी, राजकुमार, अरुण तिवारी, पवन कुमार गौड़ सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। नगरपालिका चेयरमैन गोविंद माधव भी शिक्षक हित में आयोजित इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

मिशन शक्ति केंद्र की काउंसलिंग से बचे नौ परिवार, दंपति फिर साथ रहने को हुए राजी

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर।महिला थाना सिद्धार्थनगर स्थित मिशन शक्ति केंद्र की पहल से रविवार को नौ बिखरते परिवारों का पुनर्मिलन कराया गया। महिला थाना परिसर में कई दौर की काउंसलिंग और आपसी सहमति के बाद नौ दंपतियों ने अपने मतभेद भुलाकर दोबारा साथ रहने का निर्णय लिया। इसके बाद सभी महिलाओं को सम्मानपूर्वक उनके पतियों के साथ विदा किया गया।महिला थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने बताया कि इन सभी दंपतियों के बीच लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा था, जिसके चलते वे अलग-अलग रह रहे थे। मामले मिशन शक्ति केंद्र पहुंचे, जहां काउंसलिंग के माध्यम से रिश्तों को बचाने का

प्रयास किया गया।काउंसलिंग टीम ने दोनों पक्षों को कई बार

नौ दंपतियों ने पुराने मतभेद भुलाकर पुनः साथ रहने पर



बुलाकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। लगातार संवाद, समझाइश और विश्वास बहाली के प्रयासों के बाद सभी

सहमति व्यक्त की।रविवार को आयोजित काउंसलिंग के दौरान सभी दंपतियों ने भविष्य में एक-दूसरे का सम्मान करने,

पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने तथा किसी भी विवाद की स्थिति में बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का संकल्प लिया।थाना प्रभारी निरीक्षक भाग्यवती पाण्डेय ने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल कानूनी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि जहां संभव हो दूटते परिवारों को बचाना भी है। उन्होंने दंपतियों से छोटे-छोटे विवादों को आपसी संवाद और समझदारी से सुलझाने की अपील की।इन परिवारों के पुनर्मिलन में महिला थाना की काउंसलिंग टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में महिला मुख्य आरक्षी आशा,

महिला आरक्षी प्रियंबदा सिंह, संगीता, शिखा खरवार, प्रगति और शिवानी सिंह शामिल रही। टीम ने धैर्यपूर्वक दोनों पक्षों की बातें सुनकर रिश्तों की अहमियत समझाई और सकारात्मक माहौल तैयार किया।रविवार को जिन नौ परिवारों का पुनर्मिलन कराया गया, उनमें शोहरतगढ़, जोगिया, गोहौरा, सिद्धार्थनगर, उसका बाजार, मोहाना के अलावा बस्ती और गोंडा जनपद के परिवार भी शामिल थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मिशन शक्ति केंद्र का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ काउंसलिंग एवं संवाद के माध्यम से पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कर दूटते परिवारों को फिर से जोड़ना भी है।

सम्पादकीय

जिन्होंने बीते 2–3 दिनों में जमकर हिसा की है, आईपीएस अधिकारियों पर जानलेवा हमले किए हैं, पेट्रोल पंप पर हिसा की है, निजी वाहन जला दिए हैं, क्या उनका सरोकार शिक्षा तथा पेपरलीक हो सकते हैं? क्या यह युवा आंदोलन नेतृत्वहीन है? इन पहलुओं पर भी विचार करना चाहिए। दूसरी ओर आंदोलित सोनम वांगचुक ने अनशन तोड़ दिया है। उन्होंने एक बयान दिया था कि...

सद्गुरु मिले तो बंधन छूटे

उस दिन शाम को कथावाचक ने शिष्यों से फिर कहा, मोह माया के बंधन झूठे, हरि नाम जपे तो बंधन छूटे। ये सुनकर तोते से सहन नहीं हुआ और वो सबके सामने आकर कहने लगा, वृथा वचन कहो मत झूठे जो सद्गुरु मिले तो बंधन छूटे। उपरोक्त कथा रूपक मात्र है जो जीवन में सद्गुरु के महत्त्व को रेखांकित करता है। ईश्वर एवं उसकी असीम विस्तार वाली जटिल समष्टि का ज्ञान अत्यंत गरिष्ठ प्रकृति वाले भोजन की भांति होता है, जिसे सुग्राह्य एवं सुपाच्य रूप से परोसने का उत्तरदायित्व सिर्फ सद्गुरु निभा सकता है किसी विशिष्ट ६ ार्मिक विधा का जानकार गुरु नहीं। ज्ञान कई बार अहंकार भी साथ लेकर आता है। सद्गुरु ज्ञान के नित्य नूतन क्षितिजों से हमारा परिचय कराकर जहां हमारा बोध विस्तार करता है वहां साथ ही साथ हमें ज्ञान लोक के अत्यंत अज्ञात आयामों के प्रति हमारी ज्ञानेंद्रियों की सीमितताओं के प्रति सचेत भी बनाए रखता है। भौतिकवाद की अधी गलियों में कृत्रिम उपलब्धियों के मृग–मारीच का पीछा करते–करते आज मनुष्य इस कद्व भटक चुका है कि उसे अपने भटक जाने तक का बोध नहीं रहा। ईश्वर ने जिस उद्देश्य को मानव जीवन का मूल मंत्र बनाया था उस पवित्र, परोपकारी एवं सदाचारी सद्मार्ग पर चलने का उसे रस्ती भर भान नहीं रहा जिसका परिणाम ये निकला कि आज पूरी धरती एक महान मानवीय सभ्यता का पालना न रहकर विशाल गोलाकार अखाड़े में तब्दील हो गई है। इतिहास गवाह है, 1980 के दशक में जब बाबा गुरुबचन सिंह जी महाराज के भौतिक अस्तित्व को आतंक ने छलनी किया तो लाखों शिष्यों का हृदय क्रोध से उबलने लगा तथा ऐसी आवाजें देश–देशांतर से उठने लगीं, ये खून रंग लाएगा। उस वक्त सद्गुरु बाबा हरदेव सिंह जी महाराज ने भभकते दिलों की तपिश को शांत करते हुए कहा, ये बलिदान अवश्य रंग लाएगा। बाबा जी ने क्रोध और नफरत को प्रेम एवं सद्भाव से जीतने की दिव्य प्रेरणा प्रदान करते हुए उच्चारित किया, ‘तेरे भाणे सरबत दा भला।’ प्रभु की इच्छा का पालन करने से ही जगत का भला हो सकता है। बार–काट और खून खराबा करना कभी भी ईश्वर की इच्छा नहीं बन सकते। बाबा जी की सिखलाई का ही नतीजा था कि समाज एक बड़े खतरे से उबर गया और इनसानियत को कम से कम इस बार तो लज्जित नहीं होना पड़ा। ये होता है सद्गुरु का चमत्कारी प्रभाव जिसके बारे में कबीरदास जी कहते हैं। हर दिन स्वयं को अपने सद्गुरु पर कितनी बार न्यौछावर करू जिन्होंने एक ही पल में मुझे मनुष्य से देवता बना दिया। सद्गुरु प्रेम की वो बदली है जो शिष्यों के दिलो में स्नेह की रिमझिम फुहार बन कर सदा बरसती रहती है और मनो में पैदा होने वाले मैल को दिलों में जमा नहीं होने देती। वैर और नफरत के भडकते शोले जो धरती, धर्म और मानवता सबको खाक कर देने पर आमादा हैं, उन्हें शांत करने हेतु समग्र प्रयासों की आवश्यकता है। इस महान श्रमसाध्य आयोजन को संभव बनाने हेतु सद्गुरु की महत्ता एवं प्रासंगिकता निर्विवाद तथ्य के रूप में हमारे सामने है। हमें गर्व है कि निरंकारी परिवार के हम सभी भाई–बहनों को सद्गुरु के अनमोल स्नेह की छत्रछाया एवं उनका प्रेरक मार्गदर्शन सदैव से मिलता रहा है।

ट्रंप प्रशासन पहले भी चीन के साथ टैरिफ यु) ठेड़ चुका है। हालांकि फिलहाल दोनों देशों के बीच तनाव कुछ कम हुआ है, लेकिन नई शुल्क नीति से व्यापारिक अनिश्चितता फिर बढ़ सकती है। अमेरिका पहले ही कनाडा, ब्राजील और अन्य देशों पर अलग–अलग कारणों से शुल्क लगा चुका है। इसके अलावा 16 अन्य देशों की व्यापारिक नीतियों की भी जांच चल रही है। इससे संकेत मिलता है कि...

वीपी राहुल अमेरिका ने एक बार फिर वैश्विक व्यापार व्यवस्था को झकझोर देने वाला बड़ा फैसला लेते हुए दुनिया के 60 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) लागू कर दिए हैं। इन देशों में भारत, चीन, ब्रिटेन, कनाडा, जापान, यूरोपीय संघ, ब्राजील सहित कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि इन देशों ने जबरन श्रम (फोर्सड लेबर) से तैयार उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक लगाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। यही कारण है कि अमेरिका ने 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत तक के नए शुल्क लागू किए हैं। इन टैरिफों का दायारा इतना व्यापक है कि यह अमेरिका के कुल आयात का लगभग 99.4 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित करता है। ऐसे में इसका असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था पर दिखाई देगा।

नए शुल्क उस समय लागू हुए हैं जब अमेरिका द्वारा पहले लगाए गए अस्थायी

10 प्रतिशत आयात शुल्क की अवधि समाप्त हो चुकी थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल में एक बार फिर संरक्षणवादी व्यापार नीति को प्राथमिकता दी है। उनका मानना है कि विदेशी उत्पादों पर अधिक शुल्क लगाने से अमेरिकी उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, घरेलू उत्पादन बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। ट्रंप लंबे समय से यह कहते रहे हैं कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में अमेरिका के साथ अन्याय हुआ है और अब समय आ गया है कि अमेरिकी हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने इन नए शुल्कों की घोषणा करते हुए कहा कि यह केवल व्यापारिक कदम नहीं बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा का प्रयास भी है। उनके अनुसार जबरन श्रम मानवाहिं कारों का गंभीर उल्लंघन है और इससे वैश्विक बाजार में अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा



होती है। यदि किसी देश में मजदूरों से कम लागत पर जबरन काम कराया जाता है तो वहां तैयार उत्पाद सस्ते होते हैं और वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करते हैं। अमेरिका का कहना है कि ऐसे उत्पादों पर रोक लगाना आवश्यक है ताकि दुनिया भर में श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हो सके।

इन शुल्कों को लागू करने के लिए अमेरिका ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 का उपयोग किया है। यह प्रावधान अमेरिका को उन देशों के खिलाफ कार्रवाई

करने की अनुमति देता है जिनकी व्यापारिक नीतियां अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पहले कनाडा पर लगाए गए 50

प्रतिशत शुल्क के लिए भी अमेरिकी प्रशासन ने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 का

सहारा लिया था। इससे स्पष्ट है कि ट्रंप प्रशासन अब विभिन्न कानूनी प्रावधानों का

उपयोग करके अपनी व्यापारिक रणनीति को आगे बढ़ा रहा है।

गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन द्वारा आपातकालीन शक्तियों के तहत लगाए गए कई वैश्विक टैरिफों को अवैध करार दिया था। अदालत ने कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों का दायरा पार किया है। इस फैसले के बाद अमेरिका को अरबों डॉलर की राशि वापस करनी पड़ी। हालांकि इसके बावजूद व्हाइट हाउस ने वैकल्पिक कानूनी रास्ते खोज लिये और अब नए आधारों पर फिर से शुल्क लागू कर दिए हैं।

अमेरिका का कहना है कि जो देश जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने और उसे लागू करने का वादा करेंगे, उन्हें 10 प्रतिशत शुल्क देना होगा। वहीं जो देश ऐसे कदम उठाने में विफल रहेंगे, उन पर 12.5 प्रतिशत का अधिक शुल्क लगाया जाएगा। अब तक दस देशों ने अमेरिका के साथ ऐसे समझौते किए हैं जिनमें जबरन श्रम से बने उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। अमेरिका का दावा है कि कई अन्य देशों

ने भी हाल के सप्ताहों में अपने कानूनों में

बदलाव किए हैं। हालांकि अमेरिका के इस फैसले का कई देशों ने विरोध किया है। ब्राजील ने इसे मनमाना और अनुचित बताते हुए कहा कि अमेरिका श्रमिक अधिकारों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे का उपयोग संरक्षणवादी व्यापार नीति लागू करने के लिए कर रहा है। ब्राजील ने स्पष्ट किया है कि वह अपने पारस्परिकता कानून के तहत जवाबी कार्रवाई करेगा और अन्य देशों के साथ व्यापारिक सहयोग को मजबूत करेगा। इससे पहले अमेरिका ब्राजील के फर्नीचर, मशीनरी, चीनी और अन्य उत्पादों पर भी अलग से 25 प्रतिशत

शुल्क लगा चुका है।

जापान ने भी नए शुल्कों पर निराशा व्यक्त की है। जापानी सरकार का कहना है कि उसका व्यापार पूरी तरह अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप संचालित होता है और ऐसे में अतिरिक्त शुल्क लगाने का कोई औचित्य नहीं है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इन टैरिफों को पूरी तरह अनुचित बताया है और अमेरिका से इन्हें वापस लेने की मांग

की है। भारत भी इस फैसले से प्रभावित देशों में शामिल है। अमेरिका भारत का एक बड़ा व्यापारिक साझेदार है और भारतीय दवाइयों, इंजीनियरिंग उत्पादों, कपड़ा उद्योग, रसायन तथा आईटी से जुड़े कई उत्पाद अमेरिकी बाजार में निर्यात किए जाते हैं। यदि इन उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क का प्रभाव पड़ता है तो भारतीय निर्यातकों की प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो सकती है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ द्विपक्षीय बातचीत का रास्ता अपनाएगा ताकि व्यापारिक संबंधों पर अधिक नकारात्मक असर न पड़े।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा फ़िंटींग पब्लिकेशन हाउस...
डिजिटलीकरण और डिजिटलीकरण

बुद्ध पब्लिकेशन
ऑफ़सेट एण्ड प्रिन्टर्स

जी.एस.टी. श्रिल बुक/फ़ार्म • **कार्यालय ऑफ़िस** • **स्कूल कॉपी/फ़ार्म/अवरी** • **फ़ॉर्मलेट**
• कलर पोस्टर • **कलर डिग्रीटिंग कार्ड** • **डिजिटल लेट-पेज** • **बैंक फ़ार्म**
डिजिटल-टीवी एक्सेस, बीजद मधुकरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)
☎ 8795951917, 9453824459

Email: info@buddhakasandesh.com
 Website: www.budhakasandesh.com

भगवंत मान ने अब कहा है, कुछ दिन पहले एक नकली वीडियो फैलाया गया जिसमें दावा किया गया कि वो मैं हूं। मुझे फंसाने के लिए उस वीडियो को वायरल किया गया। बाद में हमने उसे फॉरेंसिक लैब में चेक कराया, और अब लैब मालिकों पर भी बीजेपी हमला कर रही है, क्योंकि पंजाब में अकाली दल, बीजेपी और कांग्रेस ने हाथ मिला लिया है। इस पूरे मामले को तोड़–मरोड़कर पेश किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर मेरे विलाफ...

फॉरेंसिक लैब से जांच करायी। जांच में वह वीडियो असली पाया गया। यह मामला अब चुनावी मुद्दा बन गया है क्योंकि अगले साल ही



पंजाब में भी विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। पंजाब विधानसभा का मानसून सत्र 3 अगस्त से प्रारम्भ होगा और भगवंत मान का गुरु दोषी और पंथ विरेधी मुद्दा भी उठेगा।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को उनकी आपत्तिजनक वीडियो के लिए श्री अकाल तख्त साहिब ने गुरु का दोषी और पंथ विरेधी करार दिया है। पांच सिंह साहिबानों की मीटिंग में ये फैसला लिया गया। अकाल तख्त जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गाज ने फैसला सुनाते हुए कहा कि सिख संगत मुख्यमंत्री का बहिष्कार करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने वीडियो के बारे में अकाल तख्त साहिब पर आकर झूठ बोला कि ये वीडियो एआई द्वारा बनाई गई है। उन्होंने कहा

कि जो शख्स अकाल तख्त साहिब पर आकर झूठ बोल सकता है और वीडियो जैसा दिख रहा है वैसी हरकत कर सकता है उससे सिख पंथ हिंसी फैसले की उम्मीद नहीं की जा सकती।

जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गाज ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की दो फॉरेंसिक लैब में जांच कराई गई और वीडियो असली पाया, जिसमें कथित तौर पर भगवंत मान जैसे दिखने वाले एक व्यक्ति दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि वीडियो से न तो छेड़छाड़ की गई है और न ही यह एआई से बनाया गया था। कुलदीप सिंह गड़गाज ने कहा कि जब मान ने घोषणा की थी कि वे वीडियो की फॉरेंसिक जांच के लिए तैयार हैं जिसके बाद जनवरी में अकाल तख्त सचिवालय ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि पत्र का कोई जवाब नहीं मिला। साथ ही पंजाब सरकार द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी करने वालों को सख्त सजा दिलाने के लिए बनाए गए कानून जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार संशोधन बिल पर जिन भी सिख विधायकों ने हस्ताक्षर किए हैं उन्हें और सारी कैबिनेट को 29 जून को अकाल तख्त पर समन किया गया है। क्योंकि इस बिल को बनाने के लिए सरकार ने सिख स्कॉलर्स और संस्थाओं से सही विमर्श नहीं किया। हालांकि गुरुग्राम पुलिस ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो की फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार करने और डिजिटल सबूतों से छेड़छाड़ करने के आरोप में दो लोगों

को हिरासत में लिया था। इस मामले में गुरुग्राम के सेक्टर 29 स्थित डीएलएफ पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर जगजीत उर्फ जरसी नाम के एक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी। उनका आरोप है कि उन पर विवादित वीडियो की फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट तैयार करने का दबाव बनाया गया था। पुलिस ने अरुण महेंद्र और अंकित नाम के दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दोनों को पुलिस ने गिरतार कर लिया। इस मामले पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बयान जारी कर कहा है कि उन्हें फंसाने के लिए फर्जी वीडियो वायरल कराया गया। दरअसल, 15 जून को अकाल तख्त साहिब में हुई बैठक के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जत्थेदार कुलदीप सिंह गड़गाज ने गुरु दोषी और पंथ विरोधी कहा था। यह फैसला मुख्यमंत्री मान के कथित विवादित वीडियो से जुड़े केस में लिया गया था। इसके बाद आम आदमी पार्टी और खुद भगवंत मान ने इस वीडियो को गलत बताया था और इसमें मान के होने से इनकार किया था। इसके बाद 18 जून को पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने दो अलग–अलग फॉरेंसिक रिपोर्टों का हवाला देते हुए वायरल वीडियो पर सफाई दी थी। मंत्री ने दाव किया था कि लैब में तकनीकी जांच की गई थी। इसके बाद यह साफ हो गया था कि वीडियो में दिख रहा व्यक्ति मुख्यमंत्री भगवंत मान नहीं हैं।

जबरन श्रम के नाम पर अमेरिकी टैरिफ

करने की अनुमति देता है जिनकी व्यापारिक नीतियां अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पहले कनाडा पर लगाए गए 50 प्रतिशत शुल्क के लिए भी अमेरिकी प्रशासन ने 1930 के टैरिफ एक्ट की धारा 338 का सहारा लिया था। इससे स्पष्ट है कि ट्रंप प्रशासन अब विभिन्न कानूनी प्रावधानों का उपयोग करके अपनी व्यापारिक रणनीति को आगे बढ़ा रहा है।

गौरतलब है कि इसी वर्ष अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन द्वारा आपातकालीन शक्तियों के तहत लगाए गए कई वैश्विक टैरिफों को अवैध करार दिया था। अदालत ने कहा था कि राष्ट्रपति ने अपने अधिकारों का दायरा पार किया है। इस फैसले के बाद अमेरिका को अरबों डॉलर की राशि वापस करनी पड़ी। हालांकि इसके बावजूद व्हाइट हाउस ने वैकल्पिक कानूनी रास्ते खोज लिये और अब नए आधारों पर फिर से शुल्क लागू कर दिए हैं।

अमेरिका का कहना है कि जो देश जबरन श्रम से बने उत्पादों के आयात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने और उसे लागू करने का वादा करेंगे, उन्हें 10 प्रतिशत शुल्क देना होगा। वहीं जो देश ऐसे कदम उठाने में विफल रहेंगे, उन पर 12.5 प्रतिशत का अधिक शुल्क लगाया जाएगा। अब तक दस देशों ने अमेरिका के साथ ऐसे समझौते किए हैं जिनमें जबरन श्रम से बने उत्पादों पर प्रतिबंध लगाने की प्रतिबद्धता जताई गई है। अमेरिका का दावा है कि कई अन्य देशों

आज भी सेना के दिन याद कर चौड़ी हो जाती कैप्टन आरपी सिंह की छाती

दैनिक बुद्ध का संदेश
बलरामपुर। कारगिल विजय
दिवस को लेकर सैनिक
उत्साहित हैं। जिले में कारगिल
युद्ध में भाग लेने वाले सैनिक
तो नहीं, लेकिन जनरल मेजर
संजय कुमार राव, युद्ध सेवा
मेडल (संवानित्व) को 27 अगस्त
1983 में राष्ट्रपति द्वारा सेना के
सिख्ख रेजिमेंट की 20वीं
बटालियन में कमीशन दिया
गया। 37 वर्ष के गौरवमयी सैन्य
जीवन में जनरल संजय कुमार
राव ने सेना के तकरीबन सभी
महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।
अपनी बटालियन को जम्मू और
कश्मीर एवं दुनिया के सबसे
ऊंचे युद्ध के मैदान सियाचिन
ग्लेशियर में कमांड किया।
उन्होंने 2004 के अमरनाथ यात्रा
का संचालन भी किया। उन्हें
युद्ध सेवा मेडल से नवाजा गया
है। जनरल आज भी सेना के
दिनों को याद करके गौरव का

अनुभूति करते हैं। -नगर के शिवाजीपुरम मुहल्ला निवासी सेवानिवृत्त कैप्टन रमेश प्रताप सिंह कारगिल युद्ध की तीन माह की कार्रवाई याद करके भावुक हो उठते हैं। कारगिल युद्ध की शौर्यगाथा सुनाते हुए कहते हैं कि भारतीय सेना ने 26 जुलाई 1999 को युद्ध जीता था। तीन जुलाई से युद्ध घोषित हुआ था। इसी दिन एक चरवाहा से सेना को पता चला कि सबसे उच्चतम पहाड़ी चोटी तोलोलिंग पर सेना की गतिविधि दिखी है। इस पांच जुलाई को पेट्रोलिंग मेजी गई, जिसमें कैप्टन सौरभ कालिया समेत पांच जवान बलिदान हो गए। सेना के हेड क्वार्टर व दिल्ली में इसकी सूचना दी गई। दोनों देशों के मध्य समझौता होता है कि सर्दी के मौसम में छह माह तक उच्चतम पहाड़ी पर कोई नहीं रहेगी, लेकिन पाकिस्तान ने धोखा



देकर बर्फ के बीच होकर आते हुए उच्चतम चोटी पर कब्जा कर लिया। इसके पीछे पाक की मंशा कारगिल व बटालिक के साथ सियाचिन ग्लेशियर को कब्जाने की थी। इस मंशा पर भारतीय सेना ने पानी फेर दिया। कैप्टन रमेश्रं बताते हैं कि कारगिल युद्ध के दौरान वह पंजाब और जम्मू कश्मीर सीमा पर थे। युद्ध की जानकारी होने

पर उनके मन में दुश्मनों को मात देने की इच्छा जागृत हुई, लेकिन उच्चाधिकारियों का आदेश नहीं हुआ। कैप्टन सेमंड बताते हैं कि पाकिस्तान ने युद्ध की कार्रवाई मई 1999 में ही शुरू कर दी थी। आठ मई को दोनों देशों में वादें हुई थी कि तोलोंगिण पहाड़ी पर कोई नहीं जाएगा। इसके बाद गतिविधि दिखने पर पाक ने मना कर दिया कि हमारे लोग वहां नहीं हैं। इस पर 13 जून को राजपूताना रायफल ने चढ़ाई शुरू की। 24 जुलाई को जवाबी हमला हुआ। पांच जुलाई को सेना ने टाइगर हिल पर परचम लहरा दिया। सेना ने आर्टिलरी (तोपखाना) व बोफोर्स गन से पाकिस्तान का मस्तक झुका दिया। वास्तव में यह युद्ध तीन मई से 26 जुलाई तक

चला था। कैप्टन रमेश सिंहहा बताया कि युद्ध में तो नहीं जा सके, लेकिन समाप्ति के बाददास उन्हें द्रास व कारगिल क्षेत्र में नियुक्ति मिली। इसके बाद 2013 में मास्टर ट्रेनर के रूप में यूपी डायल 112 के जवानों को प्रशिक्षित किया। कहा कि 26 जुलाई भारतीय सेना व समस्त दिवसियों के लिए गौरव का दिन है। इस ऐतिहासिक युद्ध में 565 लोग शहीद हुए। चार परमवीर चक्र एवं 10 सेना मेडल मिले हैं। बताया कि जम्मू के द्रास में आलायति विजय दिवस पर बलरामपुर से दो पूर्व सैनिकों कैप्टन रमेश प्रताप सिंह एवं सुबेदार राम नरायन सिंह को उनकी पत्नियों के साथ बीते 15 जुलाई को आमंत्रित किया गया। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद की ओर से हुए कार्यक्रम में जिले के दो सैनिकों को बलिदानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।



महात्माकाशी भुज्युधमत्री शिक्षक
कौशलेस चिकित्सा कार्ड वितरण
योजनाए के अंतर्गत जनपदीय
कार्यक्रम का आयोजन रविवार को
कलेक्ट्रेट सभागार, भिनगा में
सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।
कार्यक्रम में जनपद के शिक्षकों
उर उच्च शिक्षा से जुड़े लाभार्थियों
को कौशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित
करि गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि
लोकप्रिय विद्याघर फाउण्डेशन
तथा विशद नमन जिला पंचायत
अध्यक्ष दिशेन मश्रि रहे। इस अवसर

देवीपाटन मंडल प्रो. (डॉ.) पवन कुमार मौर्य सहित जनपद के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों प्राचार्य एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में डॉ. कौशलेंद्र विक्रम सिंह, डॉ. श्यामनारायण वर्मा, डॉ. उषेंद्र कुमार सोनी, डॉ. आशुतोष मिश्र, डॉ. शिवप्रताप राय, डॉ. सत्य प्रकाश वर्मा, डॉ. हैदर अली, डॉ. अविनाश गुप्त, डॉ. महेश झा, डॉ. निर्देश राम, रवि, ज्योति प्रकाश पाण्डेय, राजबिहारी वाजपेयी, राजेश यादव, डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार

सिंह, डॉ. ज्ञानचन्द्र यादव, सत्यप्रतप सिंह सहित अनेक शिक्षाविदों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य अतिथिगणों ने लाभार्थियों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस मुक्तिकसा कार्ड वितरित करते हुए कहा कि यह योजना शिक्षकों और उनके परिवारों को बेहतर एवं समग्रबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षकों के स्वास्थ्य सेवा कल्याण के लिए निरंतर प्रभावी योजनाएं संचालित कर रही है। कार्यक्रम का संचालन जनपदीय नोडल उच्च शिक्षा एवं प्राचार्य, महामाया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्रावस्ती डॉ. धर्मनंद गुप्त ने किया। उन्होंने योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए सभी पात्र शिक्षकों से इसका अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ तथा उपस्थित शिक्षकों एवं लाभार्थियों ने शासन की इस जनकल्याणकारी पहल की सराहना की।

व्यापारियों की सुरक्षा पर पुलिस गंभीर: एएसपी ने सर्राफा, पेट्रोल पंप व व्यवसायियों संग की मासिक गोष्ठी

दैनिक बुद्ध का संदेश
श्रावस्ती। पुलिस अधीक्षक
राहुल भाटी के निर्देशन में रविवार
को पुलिस कार्यालय सभागार
अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश
सिंह ने जनपद के सर्राफा
व्यापारियों, पेट्रोल पंप संचालकों,
गैस एजेंसी प्रतिनिधियों, ईट भट्टा
स्वामियों एवं अन्य व्यवसायियों
के साथ मासिक गोष्ठी आयोजित
कर सुरक्षा व्यस्था एवं व्यापारियों
की समस्याओं पर विस्तार से
चर्चा की। गोष्ठी में क्षेत्राधिकारी
भिनगा भरत पासवान एवं
क्षेत्राधिकारी इकौना आलोक कुमार
सिंह भी मौजूद रहे। अपर पुलिस
अधीक्षक ने सभी व्यापारियों से
परिचय प्राप्त कर उनके क्षेत्रों में

आ रही समस्याओं की जानकारी ली। व्यापारियों ने यातायात व्यवस्था, सड़क अतिक्रमण, बस स्टैंड पर अवैध ढंगमाग्रा वहनों का संचालन, पेट्रोल पंपों की सुरक्षा तथा स्कूल बसों की फिटनेस से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। अपर पुलिस अधीक्षक ने सभी समस्याओं पर गंभीरता से कार्यवाई का भरोसा देते हुए कहा कि भीड़भाड़ वाले बाजारों में यातायात व्यवस्था को और सुद्ध किया जाएगा। अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया जाएगा तथा पेट्रोल पंपों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों



पुलिस प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही संबंधित विभागों के समन्वय से स्कूल बसों की नियमित फिटनेस जांच भी कराई

जाएगी। उन्होंने बताया कि बाजारों



की सुरक्षा के लिए रात्रि गश्त
और पुलिस पिकेट बढ़ाई जाएगी।
बैंक एवं एटीएम के आसपास
संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की

नियमित जांच होगी तथा व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए थाना एवं चौकी स्तर पर नियमित मासिक गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा। सुरक्षा के मद्देनजर सभी व्यापारियों से अपने-अपने गाउँ एवं चौकीदारों का पुलिस सत्यापन कराने, बाल श्रम न कराने तथा अपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रतिष्ठानों पर उच्च गुणवत्ता के सीसीटीवी कैमरे लगाने की अपील की गई। पुलिस ने जनसहयोग के सीसीटीवी कैमरे स्थापित कराने वाले व्यापारियों का आभार भी व्यक्त किया। गोष्ठी

में अग्निकांड से बचाव के लिए संस्थानों में आवश्यक सुरक्षा उपकरण लगाने तथा साइबरसुरक्षा अपराध से बचने के लिए ओटीपी, बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने और संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने के प्रति भी व्यापारियों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रभारी 112/ रामनवल यादव, प्रभारी यातायात मोहम्मद शमीम, सूफी सगीर अहमद, मिथिलेश कुमार, आलमगीर, प्रेम नारायण तिवारी, रिजवान अहमद, संतोष कुमार सहित जनपद के अनेक व्यापारी एवं विभिन्न थानों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सब्जी मांगने पर रसोइया ने छात्रा के हाथ पर डाल दी खौलती सब्जी, 4 उंगलियां झुलसीं

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद के देहात
कोतवासी क्षेत्र के कस्तूरबा गांधी
आवासीय बालिका
विद्यालय झझरी
दर्जीकुआं में शनिवार
रात मानवता को
शर्मसार करने वाली
घटना हुई है। यहां कक्षा
7 की एक छात्रा ने
सब्जी मांगी तो रसोइया
आग बबूला हो गई और
खोलती हुई गरम सब्जी
उसके हाथ पर डाल दी। इससे
छात्रा की 4 उंगलियां झुलस गईं
और वह दर्द से बेहोश हो
गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार
शनिवार रात करीब 9 बजे कक्षा
7 की 12 वर्षीय छात्रा प्रतीक्षा
शर्मा खाना खाने पहुंची थी।
रोटी-चावल मिलने के बाद जब
उसने सब्जी मांगी तो रसोइया
मनसा मौर्या नाराज हो गई।
आरोप है कि रसोइया ने कढ़ाई



सं चम्मच में खोलती सब्जी निकालकर प्रतीक्षा के बाएं हाथ पर डाल दी। दर्द से तड़पती



छात्रा ने वार्डन किरण वर्मा को जानकारी दी। तबीयत बिगड़ने पर उसे एंबुलेंस से सीएचईसी काजी देवर ले जाया गया, जहां करीब 3 घंटे तक उसका इलाज चला। देर रात परिजनों की सहमति के बाद उसे वापस विद्यालय लाया गया। पीड़ित छात्रा ने बताया कि इसी रसोइया ने 14 जुलाई को उसकी बड़ी बहन सरगम शर्मा के साथ भी मारपीट

की थी। उस समय दाल मांगने पर चम्मच से हाथ पर वार कर दिया था। उस शिकायत पर रसोइया को नोटिस जारी कर जांच की जा रही है। प्रतीक्षा का आरोप है कि उसी रंजित ने रसोइया ने जानबूझकर उसके साथ ये हरकत की जिला बैरिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रिंसिपल और वार्डन से रिपोर्ट तलब की गई है। उन्होंने कहा कि जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित रसोइया के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं वार्डन किरण वर्मा ने बताया कि रसोइया को हटाने का प्रस्ताव पहले ही जिला स्तर पर भेजा जा चुका है।

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा । जनपद के तहसील
क्षेत्र कर्नलगंज में खाद्य सुरक्षा
विभाग और स्थानीय प्रशासन की
मिलीभगत और लापरवाही के
चलते मिलावटखोरों के हौसले
बुलंद हैं। चर्चा के मुताबिक
शिकायतकर्ता ने रामलीला मैदान
स्थित एक दुकान से ग्राहक को
रसी-गली, बदबूदार छेना
(मिठाई) थमा दी गई जब पीछे
ने शिकायत की तो दुकानदार
ने गाली-गलौज कर भगा दिया।
सबसे शर्मनाक बात ये है कि
शिकायत के बाद भी जिम्मेदार
अधिकारी से फोन पर संपर्क
नहीं हो पा रहा है। प्राप्त जानकारी
के अनुसार ग्राम भदैया निवासी
कुलदीप कुमार ने 24 जुलाई
को रामलीला मैदान स्थित
आलोक गुप्ता की दुकान से छेना
खरीदा। घर जाकर डिब्बा खोला
तो उसमें से तेज दार्घ्य आ रही

थी। उसके बाद वह पीछि ग्राहट खराब मिठाई लेकर दुकान पहुँचा और दुकानदार आगबबूला हो गया और गाली—गलौज करते हुए सामान वापस करने से मना कर दिया। आहत ग्राहक ने एसडीएम कार्नल गंज को प्रार्थना पत्र देकर और मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराकर दुकान का सैंपल देकर एकआईए की मांग की है। जब इस मामले में खाद्य सुरक्षा अधिकारी गोण्डा से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन लगातार जेटवर्क क्षेत्र से बाहर रहता रहा था। स्वल्प ये है कि जनता को स्वास्थ्य से खेलवाड़ करने वालों पर कार्यवाही कौन करेगा? स्थानीय लोगों का आरोप है कि कार्नल गंज में खाद्य विभाग और प्रशासन की जिम्मेदारता अनदेखी के चलते मिलावटी मिष्ठान खोया पनीर

और सिंथेटिक दूध का अवैध कारोबार चरम पर है। त्योंहारों पर करोड़ों का धंधा होता है, लेकिन छापेमारी के नाम पर सफ़ेक़ी खानापूर्ति हो रही है। दुकानदार खुलेआम सरस्ते केमिकल और खराब सामान से मिठाई बनाकर बेच रहे हैं और मोटा मुनाफ़ा कमा रहे हैं। विभागीय अधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं है। यहाँ फिर जानबूझकर आख़ मूंदे बैठे हैं। विभागीय सूत्रों का मुताबिक़ खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत मिलावटी खाद्य पदार्थ बेचने पर 6 महीने से 3 साल तक की सज़ा और 5 लाख रुपये तक का जुर्माना है। लेकिन कर्नलगंज में कानून का कोई भी खौफ़ नहीं है। अब देखना ये है कि एफ़डीएम और जिला प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं या फिर फाड़लों से ये शिकायत भी दब कर रह जायगी।

ਸ਼ਧਾ ਨੇ ਵੀਰਾਂਗਨਾ ਫੂਲਨ ਦੇਵੀ ਪੁੰਧਤਿਧਿ ਮਨਾਧੀ

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व सांसद एवं वीरगंगा फूलन देवी की पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष राकेश मोयं जी की अध्यक्षता में जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में श्रद्धापूर्वक गई। कार्यक्रम में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने वीरगंगा फूलन देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके संघर्षपूर्ण जीवन, सामाजिक न्याय, शोषित-वंचित एवं गरीबों के अधिकारों के लिए किए गए योगदान को स्मरण किया। अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष ने कहा कि वीरगंगा फूलन देवी जी ने समाज के कमजोर वर्गों की आवाज बुलंद करने का कार्य किया। उनका संघर्ष, साहस और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों पर चलते हुए सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। विधायक पंकज पटेल, पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, श्रद्धा यादव पूर्व मंत्री संगीता यादव, सुशील दुबे, मालती निषाद, रामकेश बिंद, रमेश साहनी, रूबी बिंद एडवोकेट, गुलाब बिंद, अशोक निषाद, कमलेश यादव, ने संबोधित किया। संचालन जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर यादव ने किया।

तरबगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नवजात बदलने का आरोप,6 महीने से बेटे को पाने के लिए भटक रहा दंपती

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा । जनपद के तराई

स्वास्थ्य केंद्र गई थी। आरोप है कि महिला ने स्टाफ नर्स की मिलीभगत



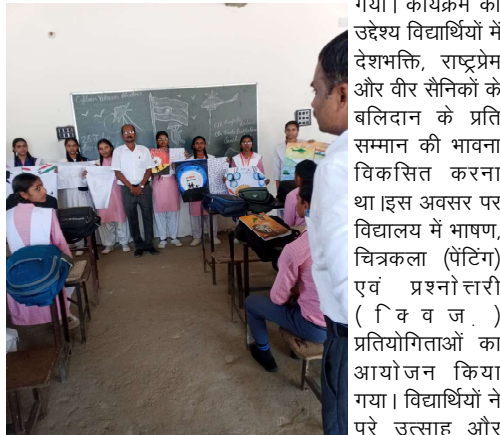
से डिलीवरी रजिस्टर में निर्मला की जगह अपनी बेटी काजल का

नाम दर्ज करा दिया।दंपती के
मृताबिक प्रसव के समय निर्मला



बेहोश थीं और इसी दौरान नवजात को तीमारदार महिला को सौंप दिया

गया। उनका आरोप है कि उन्हें अपने नवजात बेटे का चेहरा तब नहीं देखने दिया गया पिछित दंपती ने थाने में शिकायत करने के सातों राष्ट्रीय महिला आयोग को भी प्रार्थना पत्र भेजा है। मामले में पुलिस और स्वास्थ्य विभाग दोनों ने जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक श्रीधर पाठक ने बताया कि दोनों पक्षों को बुलाया गया है और जांच में सामने आए अथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. नवनीत गौरव सिंह के मुताबिक प्रसव के दौरान ड्यूटी पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मीयों को बुलाकर मामले की जांच कराई जा रही है। पर लापरवाही मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



जोश के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए कारगिल युद्ध के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों सहित सभी प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल के वीर जवानों का साहस, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से देशभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

वामन जयंती : भगवान वामन का अवतार



वामन जयंती भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी को मनाई जाती है, जबकि सनातन धर्म के अनुसार चौत्र माह में शुक्ल पक्ष की द्वादशी को वामन द्वादशी मनाई जाती है। द्वादशी तिथि के दिन मनाए जाने के कारण ही इसे वामन द्वादशी भी कहा जाता है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इसी शुभ तिथि को श्रवण नक्षत्र के अभिजित मुहूर्त में भगवान श्रीविष्णु के एक रूप भगवान वामन का अवतार हुआ था। इस तिथि पर मध्याह्न के समय भगवान का वामन अवतार हुआ था, उस समय श्रवण नक्षत्र था। भागवत पुराण में ऐसा आया है कि वामन श्रावण मास की द्वादशी पर प्रकट हुए थे, जबकि श्रवण नक्षत्र था, मुहूर्त अभिजित था तथा वह तिथि विजयद्वादशी कही जाती है३ पूजन विधि: इस दिन प्रातरुकाल भक्तों को श्रीहरि का स्मरण करने के साथ नियमानुसार विधि विधान के साथ पूजा कर्म करना चाहिए। भगवान वामन को पंचोपचार अथवा षोडशोपचार पूजन करने के पश्चात चावल, दही इत्यादि वस्तुओं का दान करना उत्तम माना गया है। संंध्या के समय व्रती को भगवान वामन का पूजन करना चाहिए और व्रत कथा सुननी चाहिए तथा समस्त परिवार वालों को भगवान का प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। इस दिन व्रत एवं पूजन करने से भगवान वामन प्रसन्न होते हैं और भक्तों की समस्त मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं। वामन जयंती कथा: वामन अवतार भगवान विष्णु का महत्त्वपूर्ण अवतार माना जाता है। भगवान की लीला अनंत है और उसी में से एक वामन अवतार है। इसके विषय में श्रीमद्भगवदपुराण में विस्तार से उल्लेख है। हरदोई को हरिद्वेई भी कहा जाता है क्योंकि भगवान ने यहां दो बार अवतार लिया, एक बार हिरण्याकश्यप वध करने के लिए नरसिंह भगवान रूप में तथा दूसरी बार भगवान बावन रूप रखकर। देव-असुर युद्ध: वामन अवतार की कथानुसार देव और दैत्यों के युद्ध में दैत्य पराजित होने लगे थे। पराजित दैत्य मृत एवं आहतों को लेकर अस्ताचल चले जाते हैं और दूसरी ओर दैत्यराज बलि इंद्र के वज्र से मृत हो जाते हैं। तब दैत्यगुरु शुक्राचार्य अपनी मृत संजीवनी विद्या से बलि और दूसरे दैत्यों को भी जीवित एवं स्वस्थ कर देते हैं। राजा बलि के लिए शुक्राचार्य एक यज्ञ का आयोजन करते हैं तथा अग्नि से दिव्य रथ, बाण, अमेघ कवच पाते हैं। इससे असुरों की शक्ति में वृद्धि हो जाती है और असुर सेना अमरावती पर आक्रमण कर देती है। विष्णु का वामन अवतार: देवताओं के राजा इंद्र को दैत्यराज बलि की इच्छा का ज्ञान होता है कि बलि सौ यज्ञ पूरे करने के बाद स्वर्ग को प्राप्त करने में सक्षम हो जाएगा। तब इंद्र भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं। भगवान विष्णु उनकी सहायता करने का आश्वासन देते हैं और वामन रूप में माता अदिति के गर्भ से उत्पन्न होने का वचन देते हैं। दैत्यराज बलि द्वारा देवों के पराभव के बाद ऋषि कश्यप के कहने से माता अदिति पयव्रत का अनुष्ठान करती हैं, जो पुत्र प्राप्ति के लिए किया जाता है। तब विष्णु भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की द्वादशी के दिन माता अदिति के गर्भ से प्रकट हो अवतार लेते हैं तथा ब्रह्मचारी ब्राह्मण का रूप धारण करते हैं। महर्षि कश्यप ऋषियों के साथ उनका उपनयन संस्कार करते हैं। वामन बटुक को महर्षि पुलह ने यज्ञोपवीत, अगस्त्य ने मृगचर्म, मरीचि ने पलाश का दंड, आंगिरस ने वस्त्र, सूर्य ने छत्र, भृगु ने खड़ाऊं, गुरु देव जनैऊ तथा कर्मंडल, अदिति ने कोपीन, सरस्वती ने रुद्राक्ष की माला तथा कुबेर ने भिक्षा पात्र प्रदान किए। तत्पश्चात भगवान वामन पिता से आज्ञा लेकर बलि के पास जाते हैं। उस समय राजा बलि नर्मदा के उत्तर-तट पर अंतिम यज्ञ कर रहे होते हैं। बलि ने किया भूमिदान: वामन अवतारी श्रीहरि, राजा बलि के यहां भिक्षा मांगने पहुंच जाते हैं। ब्राह्मण बने विष्णु भिक्षा में तीन पग भूमि मांगते हैं। राजा बलि दैत्यगुरु शुक्राचार्य के मना करने पर भी अपने वचन पर अडिग रहते हुए, विष्णु को तीन पग भूमि दान में देने का वचन कर देते हैं। वामन रूप में भगवान एक पग में स्वर्गादि उर्ध्व लोकों को और दूसरे पग में पृथ्वी को नाप लेते हैं। अब तीसरा पग रखने को कोई स्थान नहीं रह जाता। बलि के सामने संकट उत्पन्न हो जाता है कि वामन के तीसरा पैर रखने के लिए स्थान कहाँ से लाए। ऐसे में राजा बलि यदि अपना वचन नहीं निभाए तो अधर्म होगा। आखिरकार बलि अपना सिर भगवान के आगे कर देता है और कहता है तीसरा पग आप मेरे सिर पर रख दीजिए। वामन भगवान ठीक वैसा ही करते हैं और बलि को पाताल लोक में रहने का आदेश करते हैं।

ZEE5 की जेल ड्रामा फिल्म इकरूप में साथ नजर आएंगी गौहर खान और मिथिला पालकर, जानिए क्या है कहानी



ओटीटी प्लेटफॉर्म ZEE5 ने अपनी नई हिंदी ओरिजिनल फिल्म इकरूप की आधिाकारिक घोषणा कर दी है। इस जेल-ड्रामा फिल्म में वर्सटाइल एक्ट्रेस गौहर खान और मिथिला पालकर पहली बार एक साथ मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगी। प्लेटफॉर्म के बहुभाषी कंटेंट का हिस्सा यह फिल्म जेल की सलाखों के पीछे की हिम्मत, बहनों जैसी दोस्ती और बदले की भावना से लबरेज एक बेहद संवेगात्मक कहानी बयां करेगी। अकरम हस्सा द्वारा निर्देशित और जियो स्टूडियोज और **AAZ** फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की गई श्इकरूपश एक युवा रेप सर्वाइवर की कहानी है, जिसे एक ऐसे अपराध के लिए गलत तरीके से दोषी ठहराया जाता है जो उसने किया ही नहीं था। खराब न्याय व्यवस्था में फंसी वह अपनी आजादी, सम्मान और उम्मीद खो देती है। हालांकि, उसकी जिंदगी तब बदलने लगती है जब उसकी दोस्ती एक निडर कैदी से होती है, जो उसे हालात के आगे घुटने टेकने के बजाय अपनी आवाज उठाने और लड़ने के लिए प्रेरित करती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए गौहर खान ने इंडिया टुडे से कहा, 'जिस चीज ने मुझे

इकरूप की ओर आकर्षित किया, वह थी इसकी इमोशनल ईमानदारी और जिस तरह से यह कहानी कहने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती देती है। यह फिल्म हिम्मत, मजबूती और उस असाधारण ताकत के बारे में है जो सबसे मुश्किल हालात से भी निकल सकती है। उन्होंने आगे कहा, 'जो बात इसे खास बनाती है, वह यह है कि यह अपने किरदारों के लिए सहानुभूति नहीं मांगती, बल्कि उनके जजूबे, उनके अपने फैसले लेने की क्षमता और अपनी यात्रा को नए सिरे से तय करने की उनकी काबिलियत का जश्न मनाती है। एक ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो दमदार और इंसानी जजूबातों से भरी हो, बहुत खास रहा है, और मैं दर्शकों द्वारा इसे देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।' फिल्म में अहम भूमिका निभाने वाली मिथिला पालकर आखिरी बार डायरेक्टर प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी भूत बंगला (2026) में नजर आई थीं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल, जिश्नु सेनगुप्ता, राजपाल यादव, तब्बू, वामिका गब्बी और असरानी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। मिथिला नेटपिलक्स सीरीज श्शुपर सुब्बूश (2026) में भी नजर आई थीं, जिसमें संदीप किशन और मुरली शर्मा अहम किरदारों में थे।

ग्रहों के सेनापति मंगल का बड़ा परिवर्तन, 12 अगस्त तक इन Zodiac Signs को मिलेगा तगड़ा Business Profit



ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल का नक्षत्र गोचर कुछ राशि वालों के लिए नई उपलब्धियों और सफलता लेकर आने वाला है। ग्रहों के सेनापति मंगल ने 24 जुलाई को बड़ा नक्षत्र परिवर्तन करके एक विशेष संयोग बनाया है। असल में मंगल ने चंद्रमा के नक्षत्र रोहिणी से निकलकर अपने खुद के स्वामित्व वाले मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश किया है।

ज्योतिष के मुताबिक, मंगल ग्रह अपने ही नक्षत्र में गोचर करते हैं, तो उनकी शक्ति और प्रभाव कई गुना तक बढ़ जाता है। इसलिए माना जा रहा है कि मंगल का यह नक्षत्र परिवर्तन कुछ राशियों के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है। इस गोचर से साहस, आत्मविश्वास व धन लाभ में सकारात्मक वृद्धि कर सकता है। आइए आपको बतात हैं कौन हैं ये लकी राशियां। मेष राशि: मंगल अपने नक्षत्र में प्रवेश करने करने से मेष राशि के जातकों को काफी लाभ मिलेगा, क्योंकि मंगल आपकी राशि के स्वामी हैं। इस समय आपका आत्मविश्वास पहले से अधिक मजबूत होगा। बिजनेस में आगे तरक्की करने के लिए नए लोगों से मुलाकात हो सकती है, जो कि भविष्य में आपके लिए काफी लाभदायक सिद्ध होगा। बिजनेस और करियर में मनचाहे परिणाम मिल सकते हैं। वहीं, परिवार में लंबे समय से खुशियां बनीं रहेगी। अगर काफी समय से कार्य रुके हैं, तो गति आने की संभावना है।

कन्या राशि: यह समय कन्या राशि के लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। वर्कप्लेस पर नए लोगों से बेहतरीन संपर्क होगा। किसी लंबी यात्रा पर जा सकते हैं। करियर संबंधित महत्वपूर्ण फैसले आपके पक्ष में जा सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को नए अवसर प्रदान होंगे। स्टूडेंट्स को उनकी मेहनत के अच्छे परिणाम मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। काला क्षेत्र में आपकी अच्छी पहचान बन सकती है। मकर राशि: मकर राशि के जातकों के लिए मंगल का नक्षत्र परिवर्तन काफी प्रभावशाली रहने वाला है। इस दौरान आपको मनचाहे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। अगर आप लंबे समय तक किसी भी कारोबार को आरंभ करने पर काम कर रहे हैं, तो उसमें सफलता मिल सकती है। इस अवधि में आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। समाज में आपकी छवि अच्छी बनेंगी।

क्रिस्टोफर नोलन का नया धमाका! द ओडिसी ने भारत में पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड्स

ओपनहाइमर के बाद द ओडिसी क्रिस्टोफर नोलन की दूसरी ऐसी फिल्म है जिसने भारत में 100 करोड़ रुपये का ग्राँस



कलेक्शन किया है। द ओडिसी भारत में नोलन की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म भी बन गई है। ओपनहाइमर के बाद द ओडिसी क्रिस्टोफर नोलन की दूसरी ऐसी फिल्म है जिसने भारत में 100 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया है। द ओडिसी भारत में नोलन की सबसे बड़ी ओपनर फिल्म भी बन गई है, जिसने श्डनककॅश, श्टेनेटश, श्ओपनहाइमरश और श्इंटरस्टेलरश जैसी फिल्मों के ओपनिंग कलेक्शन के आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है।सैकनिल्क (बैदपसा) के अनुसार, श्द ओडिसीश ने सातवें दिन 11,111 शो में 6.15 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया, जिससे फिल्म का भारत में कुल नेट कलेक्शन 90.30 करोड़ रुपये और ग्राँस कलेक्शन 107.72 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले दिन की 6.50 करोड़ रुपये की कमाई के मुकाबले 5 प्रतिशत की गिरावट थी। यह द ओडिसी का अब तक का सबसे कम एक दिन का कलेक्शन रहा है।

भारत में दिन-वार बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: सैकनिल्क के अनुसार, भारत में दिन-वार नेट कलेक्शन इस प्रकार हैरू पहले दिन (शुक्रवार) 17.40 करोड़ रुपये, दूसरे दिन (शनिवार) 22 करोड़ रुपये, तीसरे दिन (रविवार) 21.90 करोड़ रुपये, चौथे दिन (सोमवार) 8 करोड़ रुपये, पांचवें दिन (मंगलवार) 8.35 करोड़ रुपये और छठे दिन (बुधवार) 6.50 करोड़ रुपये। जहां सातवें दिन फिल्म ने 6.15 करोड़ रुपये कमाए, वहीं कल, यानी आठवें दिन (शुक्रवार) फिल्म ने 6.85 करोड़ रुपये कमाए, जिससे भारत में इसका कुल ग्राँस कलेक्शन 115.92 करोड़ रुपये हो गया।

ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस मोजो (टव• वीपिबम डवरव) के अनुसार, फिल्म ने दुनिया भर में 322 मिलियन डॉलर का ग्राँस कलेक्शन किया है, जिसमें नॉर्थ अमेरिका का योगदान 181 मिलियन डॉलर रहा है। डेडलाइन (क्मकसपदम) के अनुसार, श्द ओडिसीश नॉर्थ अमेरिका में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने बुधवार को 18.05 मिलियन डॉलर (लगभग 157 करोड़ रुपये) का कलेक्शन किया, जो मंगलवार के 21.4 मिलियन डॉलर (लगभग 186 करोड़ रुपये) के मुकाबले 16 प्रतिशत कम है। बुधवार की यह कमाई नोलन के करियर में घरेलू स्तर पर बुधवार को हुई दूसरी सबसे बड़ी कमाई है। इससे पहले 2008 में श्द डार्क नाइटश ने बुधवार को 18.3 मिलियन डॉलर (लगभग 159 करोड़ रुपये) कमाए थे। वहीं, श्द डार्क नाइट राइजेशश ने अपने पहले बुधवार को 13.77 मिलियन डॉलर (लगभग 120 करोड़ रुपये) कमाए थे। श्द ओडिसीश ने नॉर्थ अमेरिका में छह दिनों में 181.6 मिलियन डॉलर (लगभग 1,580 करोड़ रुपये) की कमाई की है, जबकि सातवें दिन के आंकड़े जल्द ही आने की उम्मीद है।

द ओडिसी बनाम ओपेनहाइमर नोलन की पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म श्ओपेनहाइमरश की तुलना में द ओडिसी का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा है। ओपेनहाइमर ने अपने पहले बुधवार को 10.6 मिलियन डॉलर (92 करोड़ रुपये) कमाए थे और छह दिनों में कुल 117.8 मिलियन डॉलर (1,025 करोड़ रुपये) की कमाई की थी, जबकि श्द ओडिसीश इसी समय तक 54 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

फिल्म के बारे में द ओडिसी होमर की ग्रीक महाकाव्य कविता पर आधारित है और इसमें राजा ओडिसियस की कहानी दिखाई गई है, जो ट्रोजन युद्ध के बाद एक दशक तक दूर रहने के बाद घर लौटते हैं। फिल्म में मैट डेमन ने राजा ओडिसियस की भूमिका निभाई है और इसमें टॉम हॉलैंड, जेडया, ऐनी हैथवे, रॉबर्ट पैटिनसन, लुपिता न्यॉंगो और चार्लीज थेरॉन भी शामिल हैं।

टोफू असली है या मिलावटी? जानिए फर्क करने के कुछ आसान तरीके



दूध से बने पनीर की तरह दिखने वाला टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और यह शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है। इसका सेवन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने में मदद कर सकता है। हालांकि, हाल ही में सोशल मीडिया पर यह चर्चा है कि बाजार में बिकने वाला अधिकांश टोफू नकली होता है। असली और मिलावटी टोफू के बीच अंतर समझ पाना थोड़ा मुश्किल है। ऐसे में ये तरीके पहचान करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

असली और नकली टोफू में क्या है अंतर?

असली टोफू सोयाबीन से बनाया जाता है और इसका रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है। नकली टोफू बनाने के लिए सोयाबीन के अलावा कई तरह के रसायनों का इस्तेमाल किया जाता है।

असली टोफू को हाथ से तोड़ने पर फाड़ा जा सकता है, जबकि नकली टोफू को तोड़ने पर उसकी बनावट अलग लगती है।

असली टोफू की बनावट चिकनी होती है, जबकि नकली टोफू को हाथ से छूने पर खुरदरा महसूस होता है।

असली टोफू की पहचान के लिए इन तरीकों का करें इस्तेमाल

असली टोफू की पहचान के लिए सबसे पहले इसके लेबल को पढ़ें और देखें कि क्या उस पर सोयाबीन लिखा हुआ है। अगर आपके पास कोई टोफू है तो उसे हाथ से तोड़कर देखें।

अगर वह आसानी से टूट जाता है तो समझ जाएं कि वह असली है। इसके अलावा असली टोफू का रंग क्रीम होता है, जबकि नकली टोफू का रंग सफेद होता है।

नकली और असली टोफू का स्वाद भी अलग होता है।

क्या नकली टोफू खाना सेहत के लिए है नुकसानदायक?

नकली टोफू में इस्तेमाल होने वाले रसायन सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इससे शरीर में हानिकारक तत्वों का स्तर बढ़ सकता है और कई बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है।

नकली टोफू का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है और पाचन तंत्र भी प्रभावित हो सकता है।

इसलिए, नकली टोफू का सेवन करने से बचें और असली टोफू को ही अपने खाने में शामिल करें।

असली टोफू के फायदे

असली टोफू प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है और यह फाइबर, कैल्शियम, आयर्न, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है।

यह दिल को स्वस्थ रखने, रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने और कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है। असली टोफू का सेवन हड्डियों को मजबूत बनाने, पाचन को सुधारने और त्वचा को निखारने में भी सहायक है। इससे आपकी सेहत को कई लाभ मिल सकते हैं।